



Mr. Dixit



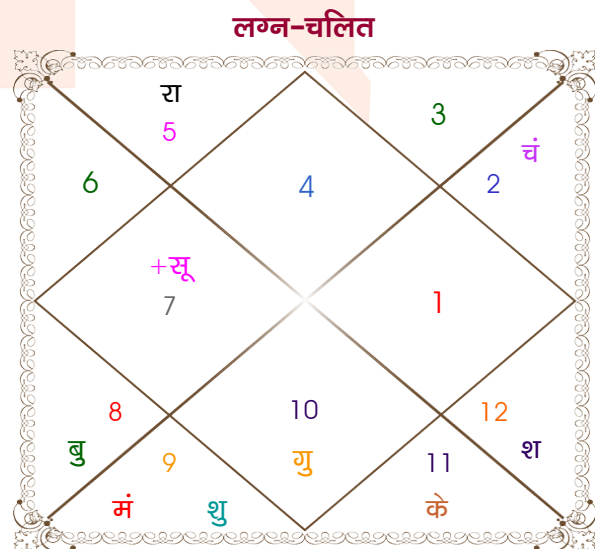
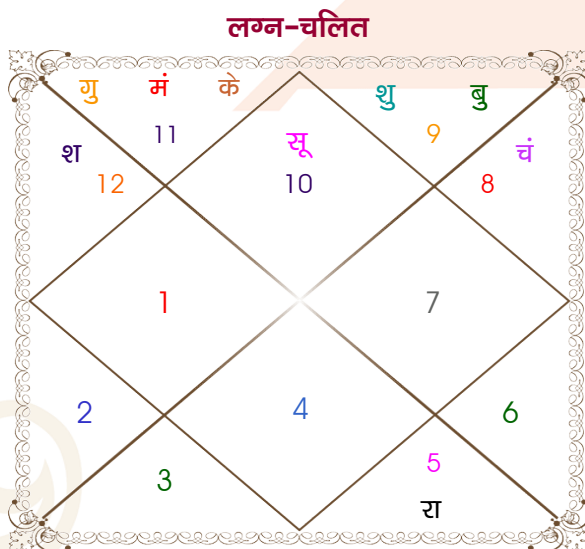
Ms. Himanshu sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120436104

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ स्त्रीलिंग \_\_\_\_\_  
 24/01/1998 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ 15/11/1997  
 शनिवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ शनिवार  
 घंटे 07:10:40 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ 22:36:00 घंटे  
 घटी 00:28:51 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ 40:14:13 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ India  
 Betul : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ Darwha  
 21:55:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ 20:19:00 उत्तर  
 77:54:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ 77:46:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:18:24 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ -00:18:56 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ 00:00:00 घंटे  
 06:59:07 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ 06:28:25  
 18:01:58 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ 17:38:40  
 23:49:44 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ 23:49:33

| विंशोत्तरी          |            | अंश      | राशि   | ग्रह   | राशि   | अंश      | विंशोत्तरी           |            |
|---------------------|------------|----------|--------|--------|--------|----------|----------------------|------------|
| बुध 16वर्ष 7मा 27दि |            | 12:11:19 | मक     | लग्न   | कर्क   | 10:20:51 | चन्द्र 6वर्ष 7मा 9दि |            |
| शुक्र               |            | 10:01:32 | मक     | सूर्य  | तुला   | 29:32:46 | राहु                 |            |
| 21/09/2021          |            | 16:56:03 | वृश्चि | चंद्र  | वृष    | 14:31:11 | 27/06/2011           |            |
| 21/09/2041          |            | 05:07:37 | कुंभ   | मंगल   | धनु    | 11:03:56 | 26/06/2029           |            |
| शुक्र               | 21/01/2025 | 21:42:12 | धनु    | बुध    | वृश्चि | 17:44:26 | राहु                 | 09/03/2014 |
| सूर्य               | 21/01/2026 | 03:30:22 | कुंभ   | गुरु   | मक     | 20:37:50 | गुरु                 | 01/08/2016 |
| चन्द्र              | 22/09/2027 | 27:56:12 | धनु व  | शुक्र  | धनु    | 16:13:25 | शनि                  | 08/06/2019 |
| मंगल                | 21/11/2028 | 21:02:12 | मीन    | शनि व  | मीन    | 20:32:14 | बुध                  | 26/12/2021 |
| राहु                | 22/11/2031 | 17:21:22 | सिंह व | राहु व | सिंह   | 23:34:34 | केतु                 | 13/01/2023 |
| गुरु                | 23/07/2034 | 17:21:22 | कुंभ व | केतु व | कुंभ   | 23:34:34 | शुक्र                | 13/01/2026 |
| शनि                 | 21/09/2037 | 14:35:47 | मक     | हर्ष   | मक     | 11:21:01 | सूर्य                | 08/12/2026 |
| बुध                 | 22/07/2040 | 05:58:49 | मक     | नेप    | मक     | 03:44:44 | चन्द्र               | 08/06/2028 |
| केतु                | 21/09/2041 | 13:37:46 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 11:10:31 | मंगल                 | 26/06/2029 |



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर      | कन्या     | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|---------|-----------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | विप्र   | वैश्य     | 1   | 1.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | कीटक    | चतुष्पाद  | 2   | 1.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | साधक    | प्रत्यारि | 3   | 1.50    | --  | भाग्य           |
| योनि   | मृग     | सर्प      | 4   | 2.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | मंगल    | शुक्र     | 5   | 3.00    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | राक्षस  | मनुष्य    | 6   | 0.00    | हाँ | सामाजिकता       |
| भकूट   | वृश्चिक | वृष       | 7   | 7.00    | --  | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | आद्य    | अन्त्य    | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |         |           | 36  | 23.50   |     |                 |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण व्पगपज का वर्ग सर्प है तथा डेण भ्पउंदीनीतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण व्पगपज और डेण भ्पउंदीनीतउं का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

डतण व्पगपज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण भ्पउंदीनीतउं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डतण व्पगपज तथा डेण भ्पउंदीनीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।